



ये अव्यक्त इशारे



अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

27-11-2025

सारे दिन में बीच-बीच में एक सेकण्ड भी मिले, तो बार-बार यह विदेही बनने का अभ्यास करते रहो। दो चार सेकण्ड भी निकालो इससे बहुत मदद मिलेगी। नहीं तो सारा दिन बुद्धि चलती रहती है, तो विदेही बनने में टाइम लग जाता है और अभ्यास होगा तो जब चाहे उसी समय विदेही हो जायेंगे क्योंकि अन्त में सब अचानक होना है। तो अचानक के पेपर में यह विदेहीपन का अभ्यास बहुत आवश्यक है।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

Throughout the day, even when you have a second, practise becoming bodiless again and again. Use even two to four seconds and you will receive a lot of help by doing this. Otherwise, your intellect will continue to work throughout the day and it will then take time to become bodiless. If you practise this, you will become bodiless whenever you want. At the end, everything will come suddenly, so the practice of being bodiless will be most essential in the paper of “suddenly”.